अनुसंधान दर्शिका द्वितीय भाग

खण्ड – क

एम.डी. आयुर्वेद शोध प्रबन्ध सारांश
अनुक्रमणिका

7 – शरीर क्रिया

क्र. सं.	शीर्षक का नाम	:	अध्येता का नाम	पृ.सं.
	1991			
1.	धातु पोषणक्रम–एक वैज्ञानिक विवेचन	:	डा. कुशलपाल सिंह	1
	1992			
2.	आहार पाक प्रक्रिया एवं अग्नि का शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. महेन्द्र सिंह मीना	2
3.	प्राणवह स्रोतस् का शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. ओम प्रकाश दाधीच	3
4.	''देह प्रकृति परिज्ञान'' सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन	:	डा. हेमराज मीणा	4
	1994			
5.	आर्तववह स्रोतस् का शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. बी. माया	5
6.	रसवह स्रोतस् – एक वैज्ञानिक विवेचन	:	डा. रमेश चन्द्र गुप्ता	6
7.	आलोचक पित्त के परिप्रेक्ष्य में दर्शनेन्द्रिय का शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. कुँवर सिंह	7
8.	मूत्रवह स्रोतस् : शरीर क्रियात्मक विवेचन	:	डा. देवेन्द्र कुमार व्यास	8

9.	त्रिदोष के परिप्रेक्ष्य में शारीरिक जैव भौतिक एवं जैव रासायनिक क्रियाओं का अध्ययन	:	डा. सुरेन्द्रपाल सिंह जयजानिया	9
10.	अवलम्बक कफ का वैज्ञानिक विवेचन	:	डा. नन्दकिशोर चेजारा	10
	1995			
11.	रक्तवह स्रोतस् – एक वैज्ञानिक विवेचन	:	डा. अरविन्द कुमार शर्मा	11
12.	त्वक् विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में भ्राजक पित्त का शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. ऋषिकेश पानी	12
	1996			
13.	पाचक पित्त का शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. राजेश कुमार	13
14.	रंजक पित्त का वैज्ञानिक विवेचनात्मक अध्ययन (यकृत के परिप्रेक्ष्य में)	:	डा. राकेश कुमार थम्मन	14
	1997			
15.	नाड़ी परीक्षान्तर्गत निर्दिष्ट नाड़ी का शरीर क्रियात्मक विवेचन	:	डा. जितेन्द्र स्वामी	15
16.	स्तन्य उपधातु का शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. डिग्गीलाल मीना	16
17.	Physiological study of Dhatu Sara in reference to Plasma Proteins	:	Dr. Arun Kumar N. Rathi	17
18.	The Physiological and Clinical study of Organs and Disease related to oral cavity in special reference to Phonation	:	Dr. Basudev Pradhan	18

1999

19.	Evaluation of role of Pranayama in Promotion and Rehabilitation of Pulmonary Health	:	Dr. Prakash R. Chondikar	19
20.	प्रकृति एवं रक्त धातु का सम्बन्ध एक वैज्ञानिक विवेचन	:	डा. प्रेम चन्द मंगल	20
21.	The Physiological study of Ojus (Bala/Immunity) in relation to Prakriti & Sara	:	Dr. Munugoti Someshwar	21

2001

22.	शुक्रवह स्रोतस् का शरीर क्रियात्मक अध्ययन एवं तत् परिप्रेक्ष्य में कतिपय द्रव्यों का शुक्रवह स्रोतस् पर प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. गोविन्द प्रसाद गुप्ता	22
23.	समान वायु का वैज्ञानिक विवेचन तथा इसके कर्मों पर कतिपय द्रव्यों का गुणकर्मात्मक अध्ययन	:	डा. कमलेश कुमार शर्मा	23
24.	अर्जुन, अश्वगन्धा, आमलकी का व्यान वायु के रस संवहन कर्म पर प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. उपाध्याय भास्कर	24
25.	भ्राजक पित्त के भ्राजकत्व कर्म की क्रिया विकृति श्वित्र रोग के परिप्रेक्ष्य में शशिलेखा वटी एवं तुत्थाश्च्योतन लेप का गुणकर्मात्मक अध्ययन	:	डा. अशोक कुमार शर्मा	25
26.	मेदोऽग्नि विकृतिजन्य स्थौल्य रोग के परिप्रेक्ष्य में लेखनीय महाकषाय का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. रेखराज मीना	26
27.	श्लेषक कफ क्रिया विकृतिजन्य सन्धिगत रोगों में एरण्डपाक का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. दरब सिंह	27

28.	प्राणवह स्रोतस् क्रिया विकृति जन्य श्वास रोग में श्वासहर महाकषाय का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. पृथ्वीराज मीना	28

2002

29.	रक्त निर्माण प्रक्रिया का शरीर क्रियात्मक अध्ययन एवं तत् परिप्रेक्ष्य में चतुर्षष्ठी प्रहरी पिप्पली एवं लौहभस्म का तुलनात्मक अध्ययन	:	डा. नीरज कुमार शर्मा	29
30.	पित्तशमन में आमलकी रसायन एवं मुक्तापिष्टी की कार्मुकता का तुलनात्मक अध्ययन	:	डा. बालकृष्ण पंवार	30
31.	मूत्र निर्माण प्रक्रिया का शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. श्यामलाल शर्मा	31
32.	मन के मेध्य कर्म के संदर्भ में वयःस्थापन महाकषाय का प्रयोगात्मक अध्ययन	:	डा. रवि प्रकाश शर्मा	32
33.	मेदोधातु का शरीर क्रियात्मक अध्ययन एवं मेदोवृद्धि के परिप्रेक्ष्य में गुग्गुलु रसायन का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. नरेश कुमार गुप्ता	33
34.	रसधातु क्षयजन्य कार्श्य रोग के परिप्रेक्ष्य में कतिपय बृंहणीय द्रव्यों का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. किशोरीलाल शर्मा	34
35.	आलोचक पित्त का शरीर क्रियात्मक अध्ययन एवं प्रथम पटल तिमिर में कल्पित चक्षुष्य योग का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. अजय कुमार शर्मा	35

36.	शुक्रवह स्रोतस् का शरीर क्रियात्मक अध्ययन एवं तद् विकृति 'रेतोदोषोद् भवं क्लैव्यं' (च.चि. 30/153) सूत्र के परिप्रेक्ष्य में 'माषादि योग' (क) का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. मदनमोहन शर्मा	36
37.	स्त्री जननांगों की क्रिया विकृतिजन्य बन्ध्यत्व में कल्पित प्रजास्थापन योग (चूर्ण) एवं गुडूच्यादि तैल (उत्तर बस्ति) का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. सीमा उपाध्याय	37

2004

38.	त्वक् उपधातु का वैज्ञानिक विवेचन एवं त्वक् विकृति जन्य श्वित्र (VITILIGO) के परिप्रेक्ष्य में श्वित्रकुष्ठारि रस एवं आरग्वधाद्य तैल का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. नन्दकिशोर दाधीच	38
39.	धातुपोषण विकृति जन्य स्थौल्य रोग में स्थौल्यहर योग (कल्पित) का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. राकेश पाराशर	39
40.	रक्तधातु का वैज्ञानिक विवेचन एवं तत् विकृति जन्य युवान पिडिका (Acne Vulgaris) पर वर्ण्य महाकषाय घनवटी एवं चन्द्रप्रभा लेप (कल्पित) का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. दिनेश चन्द्र शर्मा	40
41.	मन का वैज्ञानिक विवेचन एवं मनोऽवसाद पर गुडूच्यादि योग (कल्पित) का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. प्रमोद कुमार मिश्र	41

42.	वृहत्त्रयी में शरीर क्रियात्मक विषयों का अध्ययन	:	डा. मुनेश कुमार शर्मा	42

2005

43.	अग्नि के प्राकृत वैकृत कर्मों का विवेचनात्मक अध्ययन	:	डा. नरेन्द्र कुमार शर्मा	43
44.	अन्नवह स्रोतस्–एक शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. महेश लाल पूर्विया	44
45.	पाचकाग्नि विकृति जन्य आमदोष का शरीर क्रियात्मक अध्ययन	:	डा. महेश चन्द पूर्विया	45
46.	त्वक् उपधातु का वैज्ञानिक विवेचन एवं तद्विकृतिजन्य श्वित्र के परिप्रेक्ष्य में विजयानन्द रस एवं मनःशिलादि लेप का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. विष्णुप्रसाद शर्मा	46
47.	प्रकृति अनुसार आहार एवं निद्रा का समीक्षात्मक अध्ययन	:	डा. राजेश कुमार शर्मा	47